

अर्थात् एक दिन पहले का न हो 4. सरस 5. उपयोगी।

अपयोग पुं. (तत्.) 1. कुयोग, बुरा योग 2. कुसमय 3. औषधीय पदार्थों का अनुचित मात्रा का योग।

अपयोजन पुं. (तत्.) गलत दिशा में जोड़ना या लगाना।

अपरंच अव्य. (अव्य.) 1. अन्य भी, और भी 2. दूसरा भी 3. और आगे भी 4. इसके बाद।

अपरंपार वि. (तत्.) [अपरम्+पार] 1. जिसकी कोई सीमा न हो, असीम 2. बहुत अधिक, जिसका पार न पाया जा सके।

अपर अनुच्छेद पुं. (तत्.) [अपर+अनुच्छेद] राज. वे अनुच्छेद जो किसी अन्तर्राष्ट्रीय राजनैतिक व्यावसायिक आदि समझौते के रूप में पूर्व समझौते से अतिरिक्त या परिशिष्ट रूप में जोड़े गए हो।

अपर काल पुं. (तत्.) [अपर+काल] 1. एक निश्चित अवधि या समय के बाद का काल 2. उत्तर काल जैसे- हिंदी साहित्य में भक्तिकाल का अपरकाल रीतिकाल है।

अपर न्यायाधीश पुं. (तत्.) न्यायालयों में आवश्यक होने पर निर्धारित अवधि के लिए नियुक्त अतिरिक्त न्यायाधीश। judge additional

अपर वि. (तत्.) 1. जो पर या दूसरा न हो; पहला, पूर्व का 2. दूसरा, अन्य प्रशा. 3. अतिरिक्त 4. दूर का, दूरवर्ती, बाद का अगला।

अपरक्त वि. (तत्.) 1. रंगहीन, जो पूरा लाल न हो 2. रक्तहीन 3. असंतुष्ट 4. विरक्त।

अपरक्राम्य वि. (तत्.) शा.अर्थ. जिसे दूसरे के नाम समनुदेशित न किया जा सके बाणि. (वह हुंडी या चैक) जिसे किसी अन्य के नाम पृष्ठांकित न किया जा सके।

अपरक्राम्यता स्त्री. (तत्.) किसी लिखत का ऐसा गुण जो उसे दूसरे व्यक्ति या पक्ष को समनुदेशित करने में बाधित करता है उदा.

रेखित चैकपर (केवल आदाता को देय, इसलिए लिखा होता है)।

अपरक्षणीय वि. (तत्.) [अप+रक्षणीय] जो किसी प्रकार के क्षरण में रक्षा करने में उपादेय हो।

अपरजतन पुं. (तत्.) [अप+रजतन] रसा. एक प्रकार का रासायनिक प्रक्रम जिसमें सोने से चाँदी को अलग करने की प्रक्रिया होती है।

अपरजीवी वि. (तत्.) जो परजीवी parasite न हो।

अपरत वि. (तत्.) (हि.अप+(तत्.)रत) [अप+रत] 1. जो अपने आप में ही तल्लीन हो या रहता हो 2. जो अपने आप में लगा रहता हो, आत्मार्थी, स्वार्थरत।

अपरता स्त्री. (तत्.) 1. अपर या दूसरा होने का भाव या स्थिति 2. पर या पराया न होने की स्थिति, निकटता।

अपरती वि. (देश.) [हि.आप+(तत्.)-रति] जो अपने आप से मतलब रखता हो, स्वार्थी।

अपरत्र क्रि.वि. (तत्.) अन्यत्र, अन्य स्थान पर
अपरत्व पुं. (तत्.) दे. अपरता।

अपरद पुं. (तत्.) भूवि. अपरदन, अपघटन, अपक्षण या अपक्षयण के कारण शैल से टूटकर गिरे छोटे-बड़े शैलखंड या मलबा तथा उद्भव स्थल से दूर प्रवाहित, कृवि. मृत पौधों तथा जीवों का मलबा। detritus

अपरदक वि. (तत्.) [अप+रदक] भूवि. भूपृष्ठीय पदार्थों की घिसाई, कटाव और अपनयन आदि रूपअपरदन करने वाला (कोई प्राकृतिक कारक)।

अपरदन पुं. (तत्.) (भू.वि.) प्रवाही जल, वायु, बर्फ द्वारा भू-पृष्ठ का क्षरण। erosion

अपरदन-कारिता स्त्री. (तत्.) मृदा का क्षरण करने वाले कारकों (वर्षा आदि) की क्षमता।

अपरदनकारी वि. (तत्.) [अपरदन+कारी] अपरदन करने वाला कोई प्राकृतिक तत्व जैसे- वायु व जलधाराएँ आदि अपरदनकारी हैं।